an>

Title: Need to address the problems of farmers pertaining to crop-insurance

in Churu Parliamentary constituency, Rajasthan.

श्री राहुल कस्वां (चुरू) : चुरू संसदीय क्षेत्र में फसल बीमा योजना स्वचालित मौसम केन्द्रों के आधार पर संचालित है। प्रत्येक आई.एल.आर. केन्द्र पर एक-एक स्वचालित यंत्र है। जिले में स्काई मेट व एम.सी.एम.एल. कंपनी ने मौसम केन्द्र स्थापित कर रखे हैं। बीमा कंपनियों की मनमानी के कारण फसल बीमा से किसान को कोई राहत नहीं मिल रही है। किसान ऋण लेता है उसे बीमा करवाना आवश्यक है। किसान की इस मजबूरी का फायदा उठाकर कंपनियां बीमा कर रही हैं। वर्ष 2013-14 में केन्द्र सरकार व राज्य सरकारों द्वारा अधिसूचना में संशोधन करते हुए किसानों की बीमा प्रीमियम 200 रूपये से बढ़ाकर गेहूं, चना, सरसों पर क्रमशः प्रीमियम का कृषक हिस्सा राशि 845, 528 व 449 रूपये कर दिया गया है। प्रीमियम घटाकर वापिस पूर्व की भांति 200 रूपये प्रति हेक्टेयर किया जाए। वर्ष 2013-14 में ही बीमा कंपनियों के द्वारा ट्रम-सीट में तापमान के पैरा मीटर्स में संशोधन करते हुए गेहूं 3"बए चना 2.7 बए सरसो 2.7"ब किया गया है। यह एक कठोर शर्त है तथा मापदण्ड अवैज्ञानिक है, जबकि दूसरे जिलों में 0" ब पर ही पूरा क्लेम दिया जा रहा है। तापमान 3 " ब व 2.7" ब कम होना बहुत ज्यादा है। इस तापमान में तो पेड़-पौधे तक जल जाते हैं। कंपनियों का यह बहाना किसान को क्लेम नहीं देने का है। मेरी मांग है कि ट्रम सीट में तापमान के पैरामीटर्स को बढ़ाया जाए ताकि कृषकों को फसल बीमा का लाभ मिल सके। स्वचालित मौसम केन्द्रों के तापमान वर्षा आदि के आंकड़े समय पर उपलब्ध नहीं करवाये जा रहे हैं। ये आंकड़े सार्वजनिक नहीं किये जा रही हैं। इनका कंट्रोल हैदराबाद से है। कंपनियों पर इन आंकड़ों के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप लगते रहते हैं। मौसम केन्द्रों के आंकड़े प्रतिदिन इंटरनेट तथा समाचार-पत्रों द्वारा सार्वजनिक किये जाए। अगर कोई व्यक्ति केन्द्र पर जाकर आंकड़े देखना चाहे तो इसकी भी व्यवस्था होनी चाहिए। मेरे संसदीय क्षेत्र की विधान सभा नोहर व भादरा के किसान जागरूक नहीं है, क्लेम की मांग नहीं करतें है। उनको फसल बीमा कंपनियों कुछ भी राहत नहीं दे रही है।

अतः मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि उपरोक्त विसंगतियों को दूर किया जाए।